Dabang Dunia (Indore), 23rd January 2021, DD-2, Page-1

खगोल विज्ञान में रिसर्च के लिए आईआईटी में स्थापित होगा तारामंडल

वैधशाला को भी करेंगे नियंत्रित, मेपकॉस्ट के साथ आईआईटी इंदौर का रिसर्च के लिए एमओयू किया साइन

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) इंदौर मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् (मेपकॉस्ट) भोपाल के साथ मिलकर खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी के क्षेत्र में रिसर्च करेगा। इन दोनों के बीच इस संबंध में एक एमओयू साइन हुआ है। दोनों संस्थान रिसर्च, कम्युनिकेशन, एजुकेशन और डेवलपमेंट से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में परस्पर सहयोग करेंगे। रिसर्च के लिए अब आईआईटी इंदौर में एक तारामंडल भी स्थापित किया जाएगा। भविष्य में आईआईटी के जरिए डोंगला स्थित वराहमिहिर वैधशाला के खगोलीय प्रेक्षणों को नियंत्रित करने की योजना है।

मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् (मेपकास्ट) भोपाल इस तारामंडल की स्थापना में सहयोग देगा। यह तारामंडल आईआईटी के कैंपस में ही स्थापित किया जाएगा। मोबाइल तारामंडल का उद्देश्य विद्यार्थियों में खगोल विज्ञान में रुचि पैदा करना है। परिषद् के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी के अनुसार खगोल विज्ञान से संबंधित पाठ्यक्रमों के साथ ही विंटर स्कूल, संगोष्ठियों आदि का आयोजन किया जाएगा।

उज्जैन में अभी तारामंडल स्थापित हैं, वहां के कार्यक्रमों में आईआईटी के विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा।

ब्रह्मांड संबंधी कार्यक्रमों का होगा निर्माण

आईआईटी के विद्यार्थियों का तारामंडल पर आधारित ब्रह्मांड संबंधी कार्यक्रमों के निर्माण में सहयोग लिया जाएगा। दोनों संस्थान खगोल भौतिकी में विशेष रूप से ऑप्टीकल एस्ट्रोनॉमी में संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं में परस्पर सहयोग करेंगे। आगे योजना है कि आईआईटी के जरिए डोंगला स्थित वराहमिहिर वैधशाला के खगोलीय प्रेक्षणों को नियंत्रित किया जाए। कोरोना काल में आईआईटी ने कोविड, मेडिकल साइंस जैसी कई अहम रिसर्च की हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित व मान्य हुई। अब नया एमओयू खगोलीय शोध की दिशा में आईआईटी की क्षमता बढ़ाने वाला साबित होगा। आईआईटी के डायरेक्टर डॉ. नीलेशकुमार जैन ने आशा जताई कि संस्थान खगोलीय रिसर्च के लिए सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डाटा विश्लेषण डोम का ऑटोमेशन और ब्रह्मांडीय पिंडों की खगोलीय फोटोग्राफी के क्षेत्र में सहयोग देगा।